



संगमेश्वर जगते

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 157]

नई दिल्ली शुक्रवार, मई 24, 2013/ज्येष्ठ 3, 1935

No. 157]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 24, 2013/JYAIKTHA 3, 1935

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 2013

संख्या: 311-23/2013-क्यूओएस—भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 (1997 का 24वा) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उप-खंड (v) और उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के साथ पठित धारा 36 के अंतर्गत प्राधिकरण को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) में संशोधन करने के लिए एतदद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :-

दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (ग्यारहवां संशोधन) विनियम, 2012 (2013 का 05)

1. (1) इन विनियमों को दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (ग्यारहवां संशोधन) विनियम, 2013 कहा जाएगा ।
(2) ये विनियम, इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
2. दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) (जिसे इसके पश्चात् मूल विनियम कहा जाएगा) के विनियम 2 में—
 - (क) खंड (फ क) के लिए, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, नामतः :-
“(फ क) “हस्ताक्षर” से आशय, एक ही जैसी या उसी प्रकार के समान वर्ण या स्ट्रिंग्स या तत्संबंधी पाठभेद वाणिज्यिक संप्रेषण वाली सामग्री से है परन्तु यह उपभोक्ताओं से संबंधित सूचना को शामिल नहीं करता है”;
 - (ख) खंड (क क) को खंड (य क) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;
 - (ग) खंड (क ख) को खंड (य ख) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;

- (घ) खंड (य ख) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, नामतः :-
 “(य ख क)“लेन—देन एसएमएस प्रभार ” से आशय, पंजीकृत टेलीमार्केटर या लेन—देन संदेश भेजने वाली कंपनी द्वारा आरंभन एक्सेस प्रदाता के नेटवर्क से समापन एक्सेस प्रदाता के नेटवर्क पर भेजे गए प्रत्येक लेन—देन एसएमएस के लिए आरंभन एक्सेस प्रदाता द्वारा समापन एक्सेस प्रदाता को देय प्रभार से है,”
- (च) खंड (क ग) को खंड (य ग) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;
- (छ) खंड (क घ) को खंड (य घ) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;
- (ज) खंड (क ड) को खंड (य ड) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;
- (झ) खंड (क च) को खंड (य च) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा;
3. मूल विनियमों के विनियम 20क के बाद, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, नामतः :-
“20ख लेन—देन एसएमएस प्रभार – (1) लेन—देन एसएमएस प्रभार 0.05 रुपए (पांच पैसा मात्र) होगा :
 बशर्ते कि निम्नलिखित पर कोई लेन—देन एसएमएस प्रभार नहीं होगा, –
- (1) केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के निर्देशों पर या के द्वारा प्रेषित कोई भी संदेश;
 - (2) संविधान के तहत स्थापित निकायों के निर्देश पर या के द्वारा प्रेषित कोई भी संदेश;
 - (3) प्राधिकरण के निर्देश पर या के द्वारा प्रेषित कोई भी संदेश;
 - (4) प्राधिकरण द्वारा समय—समय अधिकृत किसी भी एजेंसी द्वारा प्रेषित कोई भी संदेश;
- (2) आरंभन एक्सेस प्रदाता, पंजीकृत टेलीमार्केटर या लेन—देन संदेश भेजने वाली कंपनी या उसकी एजेंसी, जैसा भी मामला हो, से लेन—देन एसएमएस प्रभार संग्रहित कर सकते हैं।”

राजीव अग्रवाल, सचिव

[विज्ञापन III/4/असाधारण/142/13]

टिप्पणी 1: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305—17 / 2010—क्यूओएस के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 1 दिसंबर, 2010 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 2: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305—17 / 2010—क्यूओएस के तहत संशोधित किया गया तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 14 दिसंबर, 2010 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 3: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305—17 / 2010—क्यूओएस के तहत पुनः संशोधित किया गया (दूसरा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 28 दिसंबर, 2010 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 4: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305—17 / 2010—क्यूओएस के तहत पुनः संशोधित किया गया (तीसरा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III , खंड 4 में दिनांक 31 जनवरी, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 5: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305—17 / 2010—क्यूओएस के तहत पुनः संशोधित किया गया (चौथा संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III , खंड 4 में दिनांक 28 फरवरी, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 6: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305–17 / 2010–क्यूओएस के तहत पुनः संशोधित किया गया (पांचवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 18 मार्च, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 7: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 352–04 / 2011–सीए (क्यूओएस) पार्ट के तहत पुनः संशोधित किया गया (छठवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 05 सितम्बर, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 8: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 352–04 / 2011–सीए (क्यूओएस) के तहत पुनः संशोधित किया गया (सातवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 25 अक्टूबर, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 9: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 352–04 / 2011–सीए (क्यूओएस) के तहत पुनः संशोधित किया गया (आठवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 01 नवम्बर, 2011 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 10: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305–24 / 2011–क्यूओएस(एसपी) के तहत पुनः संशोधित किए गए (नौवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 14 मई, 2012 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 11: मूल विनियमों को अधिसूचना संख्या 305–24 / 2011–क्यूओएस(एसपी) के तहत पुनः संशोधित किए गए (दसवां संशोधन) तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खंड 4 में दिनांक 05 नवंबर, 2012 को प्रकाशित किया गया।

टिप्पणी 12: व्याख्यात्मक ज्ञापन में दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (ग्यारहवां संशोधन) विनियम, 2013 (2013 का 05) के उद्देश्यों एवं कारणों की व्याख्या दी गई है।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

1. भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) पर रोक लगाने हेतु एक प्रभावी तंत्र का प्रावधान करने के लिए दिनांक 1 दिसंबर, 2010 को दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6) जारी किया गया।
2. मूल विनियम, लेन–देन संदेश भेजने के लिए एक तंत्र उपलब्ध कराते हैं, जिसमें कोई कंपनी, किसी पंजीकृत टेलीमार्केटर अथवा सेवा प्रदाता के माध्यम से ही लेन–देन संदेश भेज सकती है। मूल विनियमों के सातवें संशोधन में, प्राधिकरण ने प्रचारक एसएमएस का प्रभार 5 पैसे प्रति एसएमएस विहित किया है।
3. लागत आधार पर एसएमएस समापन प्रभार को निर्धारित करने की आवश्यकता की जांच करते हुए, प्राधिकरण ने अंतःप्रचालक एसएमएस ट्रैफिक डाटा एकत्रित किया है। आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए, यह नोट किया गया कि प्रचारक एसएमएस के अतिरिक्त, लेन–देन वाले एसएमएस भी अलग–अलग नेटवर्कों के बीच बड़ा ट्रैफिक असंतुलन उत्पन्न करने में काफी योगदान देते हैं। ए2पी (प्रचारक तथा लेन–देन) एसएमएस के मामले में, संस्थान/प्रतिष्ठान/प्रचार एजेंसियों का एक या अधिक सेवा प्रदाताओं के साथ सीधे ही अथवा किसी पंजीकृत टेलीमार्केटर के माध्यम से वाणिज्यिक समझौता होता है। जैसा कि अगले पृष्ठ पर दी गई तालिका से स्पष्ट है, ए2पी एसएमएस ट्रैफिक प्रवाह असंतुलित है (कतिपय सेवा प्रदाता अधिक ए2पी एसएमएस भेज रहे हैं) तथा इससे समापन प्रचालक के संसाधनों पर भार पड़ता है। अतः प्राधिकरण ने निर्णय लिया है कि प्रचारक एसएमएस के लिए विहित प्रचारक एसएमएस प्रभार की तरह ही, लेन–देन एसएमएस के लिए भी 5 पैसे प्रति एसएमएस प्रचारक प्रभार विहित किया जाना चाहिए। सरकारी एजेंसियों को लेन–देन एसएमएस प्रभार से छूट प्रदान करने के लिए विनियम में उपबंध किया गया है।

ए2पी-ऑफ-नेट एसएमएस(मिलियन मे)–मार्च, 2013					
क्रम संख्या	सेवा प्रदाता	ए2पी (लेन-देन)		ए2पी (प्रचार)	
		आरंभन	समापन	आरंभन	समापन
1	क	189	223	49	72
2	ख	152	912	64	94
3	ग	1,048	9	198	5
4	घ	219	223	9	55
5	च	0.1	1	0.1	0.2
6	छ	181	795	48	96
7	ज	806	12	82	4
8	झ	138	215	18	18
9	ट	5	14	0.5	4
10	ठ	644	233	16	58
11	ड	49	47	29	8
12	ढ	11	44	3	3
13	ण	167	885	24	201
कुल		3,609	3,613	539	617

TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 2013

No. 311-23/2013-QoS—In exercise of powers conferred by section 36, read with sub-clause (v) of clause (b) and clause (c) of sub-section (1) of Section 11, of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997), the Telecom Regulatory Authority of India hereby makes the following regulations to further amend the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (6 of 2010), namely :—

THE TELECOM COMMERCIAL COMMUNICATIONS CUSTOMER PREFERENCE (ELEVENTH AMENDMENT) REGULATIONS, 2013 (5 OF 2013)

1. (1) These regulations may be called the Telecom Commercial Communications Customer Preference (Eleventh Amendment) Regulations, 2013.
 (2) They shall come into force on the 1st day of June, 2013.
2. In regulation 2 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (6 of 2010) (hereinafter referred to as the principal regulations), —
 (a) for clause (va), the following clause shall be substituted, namely :—

“(va) “signature” means characters or strings, or variants thereof, of a commercial communication and does not include subscriber related information;”

- (b) clause (aa) shall be numbered as clause (za);
- (c) clause (ab) shall be numbered as clause (zb);
- (d) after clause (zb), the following clause shall be inserted, namely:—

“(zba) “transactional SMS charge” means the charge payable by an Originating Access Provider to the Terminating Access Provider for each transactional SMS sent by a registered telemarketer or transactional message sending entity from the network of the Originating Access Provider to the network of the Terminating Access Provider;”

- (e) clause (ac) shall be numbered as clause (zc);
- (f) clause (ad) shall be numbered as clause (zd);
- (g) clause (ae) shall be numbered as clause (ze);
- (h) clause (af) shall be numbered as clause (zf);

3. After regulation 20A of the principal regulations, the following regulation shall be inserted, namely:—

“20B. Transactional SMS charge – (1) The transactional SMS charge shall be Re. 0.05 (paisa five only):

Provided that there shall be no transactional SMS charge on,-

- (i) any message transmitted by or on the directions of the Central Government or State Government;
 - (ii) any message transmitted by or on the directions of bodies established under the Constitution;
 - (iii) any message transmitted by or on the directions of the Authority;
 - (iv) any message transmitted by any agency authorized by the Authority from time to time;
- (2) The Originating Access provider may collect the transactional SMS charge from the registered telemarketer or from the transactional message sending entity or its agency, as the case may be.”

RAJEEV AGRAWAL, Secy.

[ADVT III/4/Exty./142/13]

Note 1: The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 *vide* notification No. 305-17/2010-QoS, dated 1st December, 2010.

Note 2: The principal regulations were amended *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 14th December, 2010.

Note 3: The principal regulations were further amended (second amendment) *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 28th December, 2010.

Note 4: The principal regulations were further amended (third amendment) *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 31st January, 2011.

Note 5: The principal regulations were further amended (fourth amendment) *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 28th February, 2011.

Note 6: The principal regulations were further amended (fifth amendment) *vide* notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 18th March, 2011.

Note 7: The principal regulations were further amended (Sixth amendment) *vide* notification No. 352-4/2011-CA (QoS) Pt. and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 05th September, 2011.

Note 8: The principal regulations were further amended (Seventh amendment) *vide* notification No. 352-4/2011-CA (QoS) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 25th October, 2011.

Note 9: The principal regulations were further amended (Eighth amendment) *vide* notification No. 352-4/2011-CA (QoS) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 1st November, 2011.

Note 10: The principal regulations were further amended (Ninth amendment) *vide* notification No. 305-24/2011-QoS (SP) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 14th May, 2012.

Note 11: The principal regulations were further amended (Tenth amendment) *vide* notification No. 305-24/2011-QoS (SP) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4, dated 5th November, 2012.

Note 12: The Explanatory Memorandum explains the objects and reasons of Telecom Commercial Communications Customer Preference (Eleventh Amendment) Regulations, 2013 (5 of 2013).

EXPLANATORY MEMORANDUM

1. The Telecom Regulatory Authority of India issued the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulation, 2010 (6 of 2010) dated the 1st December, 2010 to provide an effective mechanism for curbing Unsolicited Commercial Communications (UCC).
2. The principal regulations provide a framework for sending transactional messages, wherein an entity can only send a transactional message through a registered telemarketer or through the service provider. In the Seventh Amendment to the principal regulations, the Authority has prescribed a promotional SMS charge of 5 paise per SMS.
3. During examination of the need for determining the termination charge on SMSs on a cost based basis, the Authority has also collected inter-operator SMS traffic data. While analyzing the data, it has been noted that apart from the promotional SMS, the transactional SMS also contribute in a major way in creating large traffic imbalance between different networks. In case of Application to Person (Promotional and transactional) SMSs, the institution/enterprise/advertising agencies, are having commercial agreement with one or more service providers, either directly or through a registered telemarketer. As is evident from Table 1, the flow of A2P SMS traffic is unbalanced (some of the service providers are originating more A2P SMSs), leading to loading of resources of the terminating operators. Therefore, the Authority has decided that similar to the Promotional SMS charge prescribed for promotional SMSs, 5 paise per SMS should be prescribed

for transactional SMSs also. Provision has been made in the regulations to exempt government agencies from the transactional SMS charge.

Table:1 A2P Off-Net SMSs (In Million)- March, 2013

S.No	Service Provider	A2P (Transactional)		A2P (Promotional)	
		Originating	Terminating	Originating	Terminating
1	A	189	223	49	72
2	B	152	912	64	94
3	C	1,048	9	198	5
4	D	219	223	9	55
5	E	0.1	1	0.1	0.2
6	F	181	795	48	96
7	G	806	12	82	4
8	H	138	215	18	18
9	I	5	14	0.5	4
10	J	644	233	16	58
11	K	49	47	29	8
12	L	11	44	3	3
13	M	167	885	24	201
Total		3,609	3,613	539	617